

पेश पुं. (तत्.) रूप, आकृति **वि.** 1. मृदु, सुकुमार, 2. दुबला-पतला, क्षीण (कमर आदि) 3. मनोहर, सुंदर 4. विशेषज्ञ, कुशल 5. चालाक, छली।

पेश क्रि.वि. (फा.) सामने, सम्मुख, समक्ष **मुहा.** पेश आना- सलूक करना, बर्ताव करना; पेश करना- प्रस्तुत करना, भेंट करना, आगे रखना, सामने रखना; पेश पाना- मात करना जीतना, विजय पाना; पेश होना- सम्मुख होना, सामने आना।

पेशकदमी स्त्री. (फा.) 1. पहल, पहलशक्ति; सूत्रपात; नेतृत्व, अगवाई, अगवानी 2. आगे बढ़ने की क्रिया।

पेशकर्ता पुं. (फा.+तत्.) प्रस्तुत करने वाला व्यक्ति पदार्थ को सामने रखने वाला व्यक्ति

पेशकश स्त्री (फा.) नजर, भेंट, प्रस्ताव।

पेशकार पुं. (फा.) पेश करने वाला, आगे रखने वाला; न्यायालय आदि में वह कर्मचारी जो संबंधित अधिकारी के सामने, विवादों, अथवा मुकदमों के कागज-पत्र, फाइलें आदि लाता जाता है।

पेशकारी स्त्री. (तत्.) 1. पेशकार का काम 2. पेशकारक पद।

पेशगी स्त्री. (फा.) किसी वस्तु के मूल्य या किसी काम के पारिश्रमिक, का वह अंश जो पहले ही दे दिया जाता है।

पेशगी भुगतान पुं. (फा.+देश.) निश्चित या नियत राशि का, अवधि या कार्य पूरा होने से पहले ही दी गई राशि।

पेशग्रह पुं. (फा.) दरबार, सदर मजलिस, अधिकारियों के विचार-विमर्श के लिए बैठने का स्थान।

पेशतर क्रि.वि. (फा.) पर्या. पेशतर, किसी की तुलना में पहले, पूर्व उदा. 1. बच्चे ने खाने से पेशतर दूध पी लिया था 2. वह आपसे पेशतर मुझसे मिला।

पेशदस्ती स्त्री. (फा.) 1. मदद, पेशकारी, सहायता 2. हाथा पाई करने में पहल करने का कार्य झगड़ा शुरू करने में पहल करने का कार्य।

पेशदामन पुं. (फा.) 1. नौकर, सेवक, खिदमतगार 2. सभ्य नौकर।

पेशबंद पुं. (फा.) जेरबंद, चमड़े या मोटे कपड़े की वह पट्टी जिसका एक सिरा घोड़े की मोहरी में और दूसरा तांगे में बाँधा जाता है।

पेशबंदी स्त्री. (फा.) दूरदर्शिता, दूरदेशी, बचाव पहले से किया गया प्रबंध या उपाय आदि।

पेशराज पुं. (फा.) 1. वह मजदूर जो पत्थर ढो-ढोकर निर्माण कार्य में राज-मिस्त्री के पास ले जाता है 2. दीवार आदि की चुनाई करने वाला करीगर, राज।

पेशल वि. (तत्.) 1. कोमल, सुकुमार 2. पतला-दुबला, क्षीण 3. सुंदर, मनोहर 4. दक्ष, कुशल, निपुण, चतुर 5. धूर्त, चालाक, कुटिल, छली, कपटी **पुं.** विष्णु 2. सौंदर्य।

पेशवा पुं. (फा.) 1. नेता, सरदार, मुखिया 2. मध्यकालीन भारत में मराठा राजतंत्र के प्रधानमंत्री।

पेशवाई स्त्री. (फा.) 1. पेशवा का काम या पद, पेशवाओं का शासन 2. अगवानी, अतिथि का आगे बढ़कर किया जाने वाला स्वागत।

पेशा पुं. (फा.) वह व्यवसाय, धंधा, उद्योग या नौकरी आदि जिससे किसी की जीविका चलती हो उदा. नौकरी पेशा **मुहा.** पेशा करना/पेशा कमाना- वेश्या का काम कर के जीविका कमाना, रंडीपना।

पेशानी स्त्री. (फा.) ललाट, माथा, किस्मत, भाग्य; कागज के ऊपर का खाली भाग, ऊपरी हाशिया **मुहा.** पेशानी पर बल आना या बल पड़ना- त्योरी चढ़ना, कुद्ध होना, चिंताग्रस्त होना, परेशान होना।

पेशाब पुं. (फा.) मूत्र, मूत **मुहा.** पेशाब करना- कुछ भी न गुनना, हेय समझना, लानत भेजना;